ज़रा सोचें...

जो समय को पहचान गये वो समझदार बन गये

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

हमें सत्य पता चला है कि यह समय कौन-सा है, कौन आया है, हम कौन हैं, वह क्या दे रहा है और क्या होने वाला है हम सब कुछ जानते हैं। सबसे बड़ी बाबा की देन है बाबा का सत्य ज्ञान। ब्राह्मण जन्म होते ही दिव्य बुद्धि की गिफ्ट बाबा देते हैं। बाबा रोज़ सुबह-सुबह हमें क्या देता है? अकल देता है। कहते हैं न कि भगवान सुबह-सुबह अकल बांटने आते हैं। कहते हैं ना भगवान जब अकल बांटने आए तो कहाँ गए थे, सोये हुए थे क्या? ऐसे कहते हैं ना वह तो बेचारे अज्ञान नींद में सोये हैं, हम रोज़ सुबह-सुबह बाबा से अकल लेते हैं। मुरली क्या देती है जब कोई प्रश्न पूछते थे ना बाबा से, तो बाबा बताते थे एक भाई ने प्रश्न पूछा कि बाबा मित्र संबंधी बहुत आग्रह करते हैं शादी कर लो, शादी कर लो, बाबा मैं क्या करूँ? तो बाबा ने मुरली में ही जवाब दिया कि बच्चे क्या करना है, क्या नहीं करना है। क्या करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए यही तो बाबा रोज़ समझाते हैं। फिर भी बच्चा पूछ रहा है ज़रूर शादी करने की दिल है तभी तो पूछ रहा है। वरना भगवान ने तो कह ही दिया है कि हमें क्या करना है। रोज़ यह साधारण शब्दों में सत्य बात बाबा बताते हैं, सद्बुद्धि देते हैं। इसलिए बुद्धि का पात्र बाबा कहते हैं सोने का चाहिए।

मुरली बुद्धि को शार्प और स्वच्छ बनाती

आप देखेंगे कईयों में बहुत शक्ति है। जो भी बड़े-बड़े जज हैं, कितने बड़े-बड़े डिसीज़न देते हैं, लेकिन बुद्धि शुद्ध होगी तो ही उस निर्णय शक्ति को सही दिशा में लगा सकेंगे इसलिए बुद्धि का पात्र बहुत स्वच्छ चाहिए। हमारा और कोई शास्त्र नहीं है। हमारा एक ही शास्त्र है, वो है मुरली। सर्व शास्त्रों का सार उसमें है। उसका जितना अच्छी तरह आप अध्ययन करते हैं उससे हमें राइट सेंस मिलती है। इस ज्ञान और योग से बाबा कहते तुम इतने सेंसिबल बनते हो। जो बात बाबा समझाते हैं उससे सही सबक सीखना है। बाबा ने आत्मा का लेसन दिया उससे हमने कौन-सा पाठ सीखा कि हम सब आत्मा भाई-भाई हैं। इसका मतलब हमारा सबसे व्यवहार कैसा हो? पवित्र हो, अपनेपन का हो, रूहानी स्नेह का हो। तो वह पाठ सीखना वो है दिव्य बुद्धि। अगर हम लड़ते रहते हैं तो आत्मा भाई-भाई क्या सीखा हमने? जब हमारे मन में किसी के लिए कोई घृणा ना हो, नफरत ना हो, वैर ना हो, द्वेष ना हो, ईर्ष्या ना हो तो कहेंगे हमने वह पाठ पढ़ा और सबके कल्याण की बुद्धि प्राप्त की, इस प्रकार हमने समय को पहचाना। अगर हम समय को पहचान गए कि यह महापरिवर्तन का समय है, यह कल्याणकारी संगम का समय है इस सत्य को जो समझ गये उनमें कौन-सी बुद्धि आएगी, सद्बुद्धि। वो टाइम वेस्ट नहीं करेगा, वह अपने संकल्पों को वेस्ट नहीं करेगा, क्योंकि पता है यह बीज बोने का समय है।

> अगर हम समय को पहचान गए कि यह महापरिवर्तन का समय है, यह कल्याणकारी संगम का समय है इस सत्य को जो समझ गये उनमें कौन-सी बुद्धि आएगी, सद्बुद्धि। वो टाइम वेस्ट नहीं करेगा, वह अपने संकल्पों को वेस्ट नहीं करेगा, क्योंकि पता है यह बीज बोने का समय है।

समय पर असाधारण कर्म कर लेना समझदारी

अगर अलबेलेपन से इस समय सावधान नहीं रहे, कोई हल्का कर्म रूपी बीज बोया तो अनेक गुणा हल्का ही फल मिलेगा। संगम पर यह वरदान है कि एक का पदमगुणा मिलता है। भगवान के आने पर यह ऑफर है। पर अगर कर्म रूपी बीज साधारण बोये तो अनेक गुणा फल भी साधारण ही मिलेगा। तो हमने जाना यह कौन-सा समय है। पर इससे हमने दिव्य बुद्धि क्या प्राप्त की कि मुझे समय को सफल करना है, सृष्टि के आदि-मध्य-अंत को जान लिया, किस कारण से उतरती कला हुई और किन गुणों से चढ़ सकते हैं, वह अटेन्शन लेकर धारणाएं जीवन में करना वह दिव्य बुद्धि है।

समय है एक पर बुद्धि एकाग्र करने का

अब एक बाप से योग लगाना है। यह समय है बाबा को याद करने का,औरों को याद नहीं करना है। रोज़ की मुरली से हमें दिव्य बुद्धि प्राप्त करते जाना है। तो कोई कंफ्यूज़न नहीं होगा, आप कभी मूंझेंगे नहीं। कैसी भी परिस्थिति आए सॉल्यूशन बाबा का दिया हुआ है। बुद्धि में हम घबरायेंगे नहीं, चिंतित नहीं होंगे, भयभीत नहीं होंगे। हम दु:खी हो नहीं सकते भल हिसाब-किताब भी आयेंगे, बीमारियां भी आयेंगी, परिस्थितियां भी आयेंगी, ऊपर-नीचे भी होगा, कमाई में, धंधे में किसी में भी मैं आत्मा हिलूंगी नहीं। क्योंकि ज्ञान है कि ड्रामा कल्याणकारी, ज्ञान कल्याणकारी, हिसाब-किताब चुक्तू हो रहे हैं। हिम्मत रहेगी, धीरज रहेगा। इसलिए सावधानी चाहिए कि कोई भी संगदोष में यह दिव्य बुद्धि बिगड़ न जाए, प्रभाव न पड़े। किसी के संग में हर बात मुझे वेरीफाय करनी है मुरली से, जहाँ से हमें श्रीमत मिलती है। और बाबा कहते हैं न कि हमेशा यह सोचो मेरे स्थान पर ब्रह्मा बाबा होते तो क्या व्यवहार करते तो आपको सही निर्णय आयेगा और दिव्य बुद्धि भी। उसके बाद ही पुरुषार्थ आगे चलता है।

जावरा-म.प्र.। कर्नाटक राज्य के माननीय राज्यपाल थावर चंद गहलोत को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.सावित्री बहन तथा अन्य।

पुणे-महा.। अमराई कोथरूड में ब्रह्माकुमारीज़ मुकुंदनगर एवं ताराचंद रामनाथ ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 'हैप्पीनेस ऑफ ए ब्यूटीफुल रिलेशनशिप' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहे पुरूषोत्तम लोहिया, राजकुमार अग्रवाल, संजय चोर्डिया, डॉ. बनारसीलाल साह, डॉ. प्रताप मिड्ढा, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी बहन, ब्र.कु. सुजाता,ग्लोबल हॉस्पिटल ब्र.कु. सरिता तथा अन्य।

जयपुर-राजापार्क(राज.)। प्रसिद्ध कथावाचिका जया किशोरी को गुलदस्ता भेंट करते हुए उपक्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. पूनम दीदी। साथ हैं ब्र.कु. पूजा बहन।

धमतरी-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 7 दिवसीय 'स्वस्थ एवं खुशनुमा जीवन के लिए सहज राजयोग' विषय पर आयोजित शिविर का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए मोहन लालवानी,अध्यक्ष,दिव्यांग जन बोर्ड सलाहकार,छ.ग. शासन, रामू रोहरा,प्रदेश महामंत्री,बीजेपी, आनंद पवार,सक्रिय नेता,कांग्रेस, मेडिटेशन एवं मोटिवेशनल ट्रेनर ब्र.कु.अदिति बहन,मा.आबू, ब्र.कु.दीप्ति,दिल्ली तथा स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सरिता बहन।

सुंगुवरचतिराम-चेन्नई(तमिलनाडु)।ब्रह्माकुमारीज़ के यूथविंग द्वारा हैप्पी विलेज रिट्रीट सेंटर में आम जनता के लिए You@meditation.calm विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए डॉ.एन वेंकट रमणन, प्रिंसिपल एएम जैन कॉलेज, मीनांबक्कम, पी मारिमुथु, अरूण एंटरप्राइजेज, ब्र.कु. मधन,यूथ विंग के वरिष्ठ सदस्य, राजयोगिनी ब्र.कु.बीना दीदी,क्षेत्रीय निदेशिका, ब्र.कु. कविता,यूथ विंग ज़ोनल को-ऑर्डिनेटर तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भंडारा-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ के अद्याल उप-सेवाकेन्द्र का भूमि पूजन करते हुए ब्र.कु. रजनी बहन, ब्र.कु. रक्षा बहन, ब्र.कु. सुशील बहन, ब्र.कु. मीरा बहन, ब्र.कु. शालू बहन तथा अन्य बहनें। इस अवसर पर पूर्व शुगर पॉवर राज्यमंत्री विलासराव, सुधीर बोरकुटे पुलिस स्टेशन थानेदार, नवनिर्वाचित सरपंच शिवशंकर मूंगाते तथा स्मिता गिरी पंचायत समिति सदस्य उपस्थित रहे।

वाशी-नई मुंबई। राष्ट्रीय ग्राहक दिवस के अवसर पर कंज़ूमर राइट्स ऑर्गनाइज़ेशन महाराष्ट्र की ओर से ब्र.कु.शीला दीदी को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित करते हुए पूर्व वैद्यकीय अधिकारी कोंकण भवन डॉ.गणेश धुमाल। इस दौरान पूर्व विधायक मंगेश सांगळे, डॉ. राजश्री पाटील सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अम्बिकापुर-चोपड़ापारा(छ.ग.)। नव विश्व भवन में नव वर्ष के अवसर पर कैंडल लाइटिंग एवं केक कटिंग कर नये वर्ष का आगमन करते हुए सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या बहन तथा अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें।